भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या – **4634**
दिनांक 20.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

आईसीसीआर का पुनरुद्धार

4634. श्री नरेश गणपत म्हस्के
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे
श्रीमती भारती पारधी
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पुनरुद्धार ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अपनी वैश्विक "सॉफ्ट पावर" कार्यनीति के एक स्तंभ के रूप में सफलापूर्वक प्रस्तुत किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या योग और आयुर्वेद को सार्वभौमिक स्वास्थ्य समाधानों के रूप में वैश्विक स्वीकृति भारत की सभ्यतागत पहुंच की सफलता को दर्शाती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या विदेशों में प्राचीन मंदिरों और विरासत स्थलों के पुनरुद्धार के लिए सरकार के प्रयासों ने हमारे ऐतिहासिक पड़ोसियों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को प्रभावी ढंग से मजबूत किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या विदेशी विश्वविधालयों में भारतीय भाषाओं और दर्शन के संवर्धन से विश्व स्तर पर राष्ट्र के लिए स्थायी "बौद्धिक प्रभाव" पड़ा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) क्या "सभ्यतागत कूटनीति" विभिन्न क्षेत्रों में विश्वास और दीर्घकालिक भागीदारी बनाने के लिए एक अद्वितीय और गैर-धमकी वाले साधन के रूप में कार्य करती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या इन सांस्किृतक पहलों ने भारत को एक "विश्व गुरू" के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है जो वैश्विक समुदाय को नैतिक और आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान करता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्गेरिटा **)**

(क) आईसीसीआर के पुनरुद्धार और सुदृढ़ीकरण ने आईसीसीआर मुख्यालय, विभिन्न भारतीय राजनयिक मिशनों/केंद्रों और विदेशों में आईसीसीआर के 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों (आईसीसी) की गतिविधियों के माध्यम से भारत की 'सॉफ्ट पावर' प्रक्षेपण के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में विश्व स्तर पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईसीसीआर ने वर्तमान में विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों /आईसीसी में योग, भारतीय नृत्य और संगीत, भाषाओं और भारतीय संस्कृति के अन्य पहलुओं को पढ़ाने के लिए भारतीय संस्कृति के 176 भारत-आधारित शिक्षकों और स्थानीय संसाधन वाले व्यक्तियों को तैनात किया है। आईसीसीआर , भारतीय कलाकारों को विदेशों में प्रदर्शन करने के लिए प्रायोजित करके और विदेशी कलाकार को भारत में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित करके विदेशों में भारत की विविध संस्कृति का सक्रिय रूप से प्रदर्शन करता है। आईसीसीआर भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियों का भी आयोजन करता है; विदेशों में प्रतिष्ठित भारतीय नेताओं की प्रतिमाएं और मूर्तियां स्थापित करता है; भारत में वार्षिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन करता है; विदेशों में भारतीय त्योहारों, कला, शिल्प, साहित्य, फिल्मों और स्मारक कार्यक्रमों के प्रक्षेपण का समर्थन करता है; यह संस्था भारतीय सभ्यता के विभिन्न पहलुओं पर

सम्मेलन/व्याख्यान/कार्यशालाओं का आयोजन करती है; और भारत की विदेश नीति के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए भारत के राजनयिक कैलेंडर के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन करती है।

(ख) विश्व स्तर पर योग का सफल प्रसार भारत की 'सॉफ्ट पावर' की प्रभावशाली पहुंच और वैश्विक स्वास्थ्य एवं सार्वभौमिक कल्याण में भारत की सभ्यतागत विरासत के महत्वपूर्ण योगदान का एक उदाहरण है। वर्ष 2015 से, आईसीसीआर 21 जून को संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के वार्षिक वैश्विक आयोजन का समन्वय कर रहा है। वर्ष 2025 में, 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विदेश स्थित 206 भारतीय मिशनों/केंद्रों द्वारा 2000 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर था।धनवंतरी दिवस की वर्षगांठ के अवसर पर, आईसीसीआर ने विश्वभर में योग और आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार करने के लिए विदेश स्थित मिशनों/केंद्रों /आईसीसी में 80 भारत-आधारित योग शिक्षकों और स्थानीय संसाधन व्यक्तियों को तैनात किया है, जो भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों, स्थानीय संस्थानों, सामुदायिक संगठनों, विश्वविद्यालयों आदि में योग का शिक्षण प्रदान करते हैं। आईसीसीआर मिशनों/केंद्रों /आईसीसी के माध्यम से आयुर्वेद और ध्यान जैसी पारंपरिक स्वास्थ्य परिपाटियों को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है और प्रतिवर्ष धनवंतरी दिवस मनाता है।

(ग) भारत की विकास साझेदारी पहल के अंतर्गत, विदेश मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण उन देशों में विरासत स्थलों के जीर्णोद्धार में सक्रिय रूप से संलग्न हैं जिनके साथ भारत के सभ्यतागत संबंध हैं। वर्षों से, भारत ने 21 देशों में लगभग 60 ऐसी विरासत जीर्णोद्धार परियोजनाएं चलाई हैं। वर्तमान में, भारत कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार और वियतनाम में प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार में सहायता कर रहा है। इस संबंध में भारत का सहयोग साझेदार देशों के साथ सांस्कृतिक और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

(घ) आईसीसीआर हमारे मिशनों/केंद्रों के परामर्श से विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन की चेयर स्थापित करके विदेशों में भारतीय भाषाओं, दर्शन और भारतीय सभ्यता के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन को बढ़ावा देता है। वर्तमान में, विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन की ऐसी 12 पीठ कार्यरत हैं, जिनमें से 6 पीठ हिंदी, 3 बौद्ध अध्ययन और संस्कृत, 2 दर्शनशास्त्र और 1 तमिल पढ़ाती हैं। विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाने के लिए 7 और पीठ तथा संस्कृत में एक अतिरिक्त पीठ स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। भारतीय अध्ययन की ये पीठ विदेशी युवाओं के बीच भारतीय सभ्यता के अध्ययन को बढ़ावा देती हैं और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ विकसित करने के साथ-साथ वैश्विक शैक्षणिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित करती हैं।

(ङ और च) आईसीसीआर विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी और स्थायी जन-संबंधों को विकसित करने के लिए सांस्कृतिक और सभ्यतागत सेतुओं का निर्माण करता है। इस उद्देश्य से, आईसीसीआर भारत में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर की पढ़ाई के लिए 192 देशों के विदेशी छात्रों को 21 विभिन्न योजनाओं के तहत प्रतिवर्ष 4,000 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान करता है, जिनमें योग और आयुर्वेद भी शामिल हैं। आईसीसीआर छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पूर्व छात्र आज लगभग हर देश में मौजूद हैं और भारत के प्रति सद्भावना का एक महत्वपूर्ण आधार बनाते हैं। आईसीसीआर अपने विभिन्न आगंतुक कार्यक्रमों के तहत विदेशी शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, प्रभावशाली विचारकों और युवा राजनीतिक नेताओं की चुनिंदा यात्राओं का आयोजन भी करता है और विदेशों में भारत और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को मान्यता देता है। आईसीसीआर की विविध पहलें भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और मानवीय मूल्यों को सार्वभौमिक शांति और कल्याण में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जिससे विश्वास पर आधारित दीर्घकालिक साझेदारी और भारत की एक सकारात्मक छवि को बढ़ावा मिलता है, जो व्यापक कल्याण के लिए एक शक्ति के रूप में कार्य करती है।

*****